www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी खबर

वर्ष – 04 | अंक – 193 | जौनपुर शुक्रवार, 27 फरवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

पीएम मोदी ने इजराइल से किया गाजा शांति पहल का पुरजोर समर्थन

इजराइल, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इजराइल की संसद 'नेसेट' को संबोधित करते हुए एक नया इतिहास रच दिया। वह इजराइली संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। अपने ओजस्वी भाषण में पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की श्जीरो टॉलरेंसश नीति को दोहराया और गाजा शांति पहल को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एकमात्र मार्ग बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल के प्रति एकजुटता का सशक्त संदेश देते हुए कहा कि "आतंकवाद चाहे कहीं हो, यह हर जगह की शांति के लिए खतरा है"। मोदी ने कहा कि इजराइल की तरह भारत भी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक "सुसंगत और अडिग नीति अपनाता है

और इसमें कोई दोहरा मापदंड नहीं है"। उन्होंने इस खतरे का मुकाबला करने के लिए निरंतर और समन्वित वैश्विक प्रयासों का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री इजराइल की प्रतिनिधि सभा, नेसेट को संबोधित करने के कई घंटे पहले यहां पहुंचे। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर इजराइल के उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने उनका जोरदार स्वागत किया। मोदी ने कहा, "मैं सात अक्टूबर (2023) को हमास द्वारा किए गए बर्बर आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति और उस परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिसकी दुनिया इस हमले में बिखर गई।" उन्होंने कहा, "हम आपकी पीड़ा को समझते हैं। हम आपके शोक में आपके साथ हैं। भारत इस समय और भविष्य में भी पूरी दृढ़ता के साथ इजराइल के साथ खड़ा है। कोई भी कारण नागरिकों की हत्या को जायज नहीं ठहरा सकता। आतंकवाद को किसी भी तरह जायज नहीं ठहराया जा सकता।" यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का नेसेट में दिया गया पहला भाषण है और इस दौरान मोदी ने आतंकवाद से पूरी ताकत से लड़ने के भारत के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और कई अन्य वरिष्ठ नेता और सांसद इस दौरान संसद में मौजूद रहे। उन्होंने कहा, "भारत ने भी लंबे समय तक आतंकवाद का दर्द सहा है। हमें 26ध्11 मुंबई हमले और उनमें जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों की याद है, जिनमें इजराइली नागरिक भी शामिल थे।

घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई सरकार का दृढ़ संकल्प – अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश को घुसपैठियों से मुक्त कराना कोई चुनावी वादा नहीं, बल्कि केंद्र की मोदी सरकार का दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि एक–एक घुसपैठिए की पहचान कर उन्हें भारत की भूमि से बाहर किया जाएगा और इस दिशा में ठोस कार्रवाई जल्द शुरू होगी। अमित शाह ने बिहार के अररिया में बॉर्डर आउट पोस्ट 'लेटी' और 'इंदरवा' के उद्घाटन तथा सशस्त्र सीमा बल के विभिन्न कार्यों के ई–लोकार्पण और ई–शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत–नेपाल सीमा सड़क योजना के तहत 556 किलोमीटर लंबी बॉर्डर रोड को स्वीकृति दी गई है, जिसमें 18 में से 14 खंडों का कार्य पूरा हो चुका है और शेष चार खंडों में काम तेजी से चल रहा है। सीमा सुरक्षा और निगरानी पर जोर उन्होंने कहा कि सड़क परियोजना पूरी होने से सीमा पर निगरानी क्षमता बढ़ेगी और नागरिकों की सुविधाएं भी बेहतर होंगी।

विकास योजनाओं को अंतिम सीमा तक पहुंचाने में भी इससे मदद मिलेगी। गृह मंत्री ने सशस्त्र सीमा बल की सराहना करते हुए कहा कि मित्र देश के साथ लगी सीमा की सुरक्षा के साथ–साथ संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना आवश्यक है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सशस्त्र सीमा बल के जवानों और अधिकारियों से सीमांत गांवों के साथ बेहतर संवाद और संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि समय पर सटीक सूचनाएं मिल सकें और देशविरोधी तत्वों की घुसपैठ रोकी जा सके। गृह मंत्री ने कहा कि सीमा से 10 किलोमीटर के दायरे में मौजूद अवैध अतिक्रमणों को हटाने का अभियान चलाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू–कश्मीर में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का पहला दौरा

श्रीनगर, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर जम्मू–कश्मीर पहुंचे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को लेकर एक विशेष बोइंग विमान बुधवार की शाम को श्रीनगर एयरपोर्ट पर उतरा। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, सेना की श्रीनगर मुख्यालय स्थित 15 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग और जम्मू–कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया। इसके बाद वे कड़ी सुरक्षा के बीच काफिले से श्रीनगर के चश्मा शाही इलाके स्थित राज भवन श्रीनगर पहुंचे। पद संभालने के बाद यह उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का पहला जम्मू–कश्मीर दौरा है।वे गुरुवार को मुख्य अतिथि के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर के हजरतबल परिसर में आयोजित 21वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। उपराज्यपाल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं, जबकि मुख्यमंत्री प्रो–कुलाधिपति हैं। उपराष्ट्रपति के आगमन से पहले सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। सुरक्षा बलों ने उनके निर्धारित मार्गों पर रूट सैनिटाइजेशन और ड्राई रन किया। शहर में कई जगह अस्थायी जांच चौकियां बनाई गई हैं। शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच और लोगों की तलाशी बढ़ा दी गई है ।

फिर भी 5 करोड़ लोगों तक पहुँची सूर्या सोनल सिंह की आवाज

हुसैनाबाद, (एजेंसी)। डिजिटल युग में राजनीति का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब प्रभाव केवल पद, चुनाव या सत्ता से नहीं, बल्कि जनता से सीधे संवाद की क्षमता से तय हो रहा है। इसी बदलते परिदृश्य में झारखंड के हुसैनाबाद से जुड़े युवा सामाजिक कार्यकर्ता सूर्या सोनल सिंह का गणतंत्र दिवस 2026 पर दिया गया 19 मिनट का संबोधन सोशल मीडिया पर 5 करोड़ (50 मिलियन) व्यूज पार कर राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गया है।26 जनवरी 2026 को साझा किए गए इस वीडियो ने मात्र 22 दिनों में 4 लाख से अधिक लाइक्स और 25 हजार से ज्यादा शेयर प्राप्त किए। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लंबे राजनीतिक भाषणों का व्यापक रूप से देखा जाना सामान्य नहीं माना जाता, लेकिन सूर्या सोनल सिंह के इस संबोधन को बड़ी संख्या में दर्शकों ने पूरा देखा और आगे साझा किया। जमीनी पहचान से डिजिटल प्रभाव तक ग्राम विकास और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों के कारण पहले से सक्रिय रहे सूर्या सोनल सिंह ने अपने भाषण में राष्ट्रीय एकता, शिक्षा सुधार, किसानों की चुनौतियों और युवाओं की भूमिका जैसे मुद्दों पर विचार रखे। भाषण का सबसे चर्चित क्षण तब रहा जब उन्होंने कहा "मैं गांव का लड़का हूं।"

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : जयशंकर

संयुक्त राष्ट, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मानवाधिकारों को लेकर श्राजनीतिक बयानबाजीश से ऊपर उठकर विकास, क्षमता निर्माण और आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों का उद्देश्य सबसे कमजोर वर्ग के लोगों के दैनिक जीवन में ठोस सुधार लाना होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में अपने वर्चुअल संदेश में उन्होंने बुधवार को कहा कि संघर्ष, ध्रुवीकरण और अनिश्चितता से ग्रस्त दुनिया में भारत साझा आधार खोजने और उसका विस्तार करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा, श्हमने लगातार टकराव की जगह संवाद, विभाजन की जगह सहमति और संकीर्ण हितों की जगह मानव–केंद्रित विकास पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार परिषद को मानवाधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरी तरह से साकार करने के लिए उन्हें श्आतंकवादी कृत्यों के लिए शून्य सहिष्णुता की वकालतश करनी चाहिए। उन्होंने कहा, श्आतंकवाद मानवाधिकारों के सबसे जघन्य उल्लंघनों में से एक है, और इसका कोई औचित्य नहीं हो सकता, खासकर जब निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जाता ह भारत हाल ही में सातवीं बार मानवाधिकार परिषद का सदस्य चुना गया है और उसे संयुक्त महासभा में 188 में से 177 मत मिले। जयशंकर ने कहा कि यह वैश्विक समुदाय, खासकर वैश्विक दक्षिण के देशों के भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए राजनीति, दोहरे मानदंड और चयनात्मक रवैये के बजाय संवाद, साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत सभी लोगों के लिए समानता और सम्मान के आधार पर मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे करोड़ों लोगों को पारदर्शी तरीके से कल्याण योजनाओं, वित्तीय सेवाओं और सरकारी सुविधाओं तक पहुंच मिली है और भारत अपने अनुभव को वैश्विक हित में साझा कर रहा है।

जमशेदपुर पहुंची द्रौपदी मुर्मु, जगन्नाथ मंदिर निर्माण स्थल पर किया भूमि पूजन

झारखंड, (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची से गुरुवार को जमशेदपुर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का सोनारी एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने पहले से व्यापक तैयारियां की थीं। जमशेदपुर प्रवास के दौरान राष्ट्रपति का पहला कार्यक्रम कदमा स्थित अनिल सुर पथ में प्रस्तावित भगवान जगन्नाथ मंदिर एवं स्पिरिचुअल सेंटर के निर्माण स्थल पर आयोजित हुआ। यहां उन्होंने विधिवत

भूमि पूजन कर मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। पुरी धाम से आए विद्वान पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपूर्ण अनुष्ठान संपन्न कराया। राष्ट्रपति मुर्मु पूरे समय श्रद्धा और तन्मयता के साथ पूजा–अर्चना में शामिल रहीं। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों को समाज में सांस्कृतिक एकता और नैतिक मूल्यों के संवर्धन का केंद्र बताया। उन्होंने मंदिर निर्माण की पहल के लिए आरएसबी समूह के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस.के.बेहरा और उनकी टीम की सराहना की। एस.के.बेहरा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह स्पिरिचुअल सेंटर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का भी प्रमुख स्थल होगा। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, सिंहभूम की सांसद जोबा माझी, उपयुक्त कर्ण सत्यार्थी तथा टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टी.वी. नरेंद्र समेत कई जनप्रतिनिधि और उद्योग जगत के प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सीएम फडणवीस ने ताड़देव- नागपाड़ा-मुंबई सेंट्रल फ्लाईओवर का किया उद्घाटन

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को ताड़देव– नागपाड़ा– मुंबई सेंट्रल फ्लाईओवर का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह फ्लाईओवर दक्षिण मुंबई में पूर्व–पश्चिम को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण लिंक है, जो यात्रियों को आवाजाही के लिए एक सुगम और वैकल्पिक रास्ता प्रदान करेगा। मुंबई सेंट्रल पर स्थित 130 साल पुराना ब्रिटिश कालीन पुल काफी जर्जर हो चुका था। प्रशासन ने इसे खतरनाक घोषित करने के बाद तोड़ दिया था। पिछले दो वर्षों से इस मार्ग पर कनेक्टिविटी बाधित थी। अधिकारियों का मानना है कि इस नए फ्लाईओवर के शुरू होने से जहांगीर बोमन बेहराम रोड

(बेलासिस रोड), डॉ. दादासाहेब भडकमकर मार्ग (ग्रांट रोड), पाठे बापूराव मार्ग और महालक्ष्मी स्टेशन पुल पर ट्रैफिक का दबाव काफी कम हो जाएगा। इस फ्लाईओवर की कुल लंबाई 333 मीटर है। इसमें पूर्वी हिस्सा 138.39 मीटर, पश्चिमी हिस्सा 157.39 मीटर और रेलवे सीमा के भीतर का हिस्सा 36.90 मीटर लंबा है। पुल का कैरिजवे सात मीटर चौड़ा है और पैदल चलने वालों की सुविधा के लिए दोनों तरफ काफी चौड़े फुटपाथ बनाए गए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुए इस उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने इस प्रोजेक्ट को मात्र 15 महीने और छह दिनों में पूरा किया है। टेंडर की शर्तों के अनुसार, इस काम को पूरा करने के लिए अभी चार महीने का समय और बाकी था, लेकिन बीएमसी ने इसे समय से पहले ही तैयार कर लिया। रेलवे ट्रैक के ऊपर का काम रेलवे अधिकारियों ने किया, जबकि गर्डर ब्रेसिंग, डेक शीट इंस्टॉलेशन, स्लैब कास्टिंग और दोनों तरफ की सड़कों का निर्माण बीएमसी ने पूरा किया। बीएमसी के ब्रिज विभाग, रेलवे, स्थानीय वार्ड ऑफिस और ट्रैफिक पुलिस के बीच बेहतर तालमेल की वजह से यह प्रोजेक्ट तय समय से पहले पूरा हो सका।

कृषि मंत्री ने पेड़ लगाने का किया आग्रह, कहा– इससे मेरा जन्मदिन सार्थक हो जाएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन आने वाला है। इस बीच उन्होंने गुरुवार को अपने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे उनके जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाएं और उसकी फोटो खींचकर उन्हें भेजें, जिससे उनका जन्मदिन सार्थक हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि प्रिय बहनों–भाइयों और भांजे–भांजियों, हमारा जीवन किसलिए है। वो कैसे सफल और सार्थक होगा। वो सार्थक होगा किसी अच्छे उद्देश्य के लिए जीने से। पर्यावरण का संरक्षण मेरे जीवन का एक पवित्र उद्देश्य रहा है। इसलिए मैं रोज पौधा लगाता हूं। 5 मार्च को मेरा जन्मदिन है। आप स्नेह के कारण, प्रेम और आत्मीयता के कारण उसे उत्साह से मनाते भी हैं। राजनीतिक क्षेत्र का कार्यकर्ता होने के कारण कई कार्यकर्ता होर्डिंग लगा देते हैं। कई शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह लेकर आते हैं। लेकिन, 5 मार्च को इस बार मेरी आप सबसे अपील है कि जन्मदिन को भी उद्देश्यपूर्ण बनाएं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरे जन्मदिन पर न फूल–मालाएं, न शॉल, न श्रीफल, न स्मृति चिन्ह, न होर्डिंग, बस इस दिन एक पेड़ जरूर लगाएं। उसका फोटो अपलोड कर दें या मुझे भेज दें। मेरा जन्मदिन सार्थक हो जाएगा। हर सेवा महत्वपूर्ण है, लेकिन जब मैं गहराई में सोचता हूं तो पौधा लगाना इस दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है। पेड़ हर एक के काम आते हैं। मनुष्यों को जीने के लिए जरूरी हैं। कीट–पतंगे और पक्षी उनका घर और भोजन हैं पेड़। पशुओं को छांव भी देते हैं और भोजन भी देते हैं।

बंगाल में एसआईआर से 1.2 करोड़ मतदाताओं को हटाने की साजिश, सीएम ममता ने लगाया गंभीर आरोप

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि राज्य में चल रही मतदाता सूची की विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के नाम जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक श्साजिशश हो सकती है, जिसके तहत करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम अंतिम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश की जा रही है। सीएम ममता बनर्जी के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण के बाद ही 58 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए। उनका दावा है कि 14 फरवरी को आपत्तियों की सुनवाई की आखिरी तारीख खत्म होने के बाद भी करीब 20 लाख और असली मतदाताओं के नाम श्तार्किक गड़बड़ियोंश के नाम पर चुपचाप हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी को जो अंतिम वोटर लिस्ट प्रकाशित होने वाली है, उसमें करीब 80 लाख नाम हटाए जा सकते हैं और बाद में सप्लीमेंट्री लिस्ट के जरिए 40 लाख और नाम हटाने की आशंका है। कोलकाता के भवानीपुर में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि वह उन सभी लोगों के साथ खड़ी रहेंगी जिनके नाम श्गलत तरीके सेश हटाए जा रहे हैं। उन्होंने बिना सीधे तौर पर चुनाव आयोग का नाम लिए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में उन्होंने इस मामले को उठाया है, लेकिन अदालत के आदेश के बाद भी हालात में सुधार नहीं दिख रहा। सीएम ने कहा कि वह किसी मतदाता को उसकी राजनीतिक विचारधारा या धर्म के आधार पर नहीं देखतीं, बल्कि हर वैध मतदाता का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए। उन्होंने कहा, श्मैं केवल इतना चाहती हूं कि लोगों के लोकतांत्रिक अधिकार छीने न जाएं। जियो और जीने दो। इस कार्यक्रम में उन्होंने 850 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इनमें न्यू टाउन में लगभग 28.77 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला माइनॉरिटी सेंटर शामिल है,।

होली पर को लेकर सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय मानिकचंद सिंह के नेतृत्व में खाद्य विभाग द्वारा लगातार कर रही छापेमारी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो अयोध्या)

अयोध्या। होली पर्व के दौरान लोगों के स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का दुष्प्रभाव ना पडे। इसके लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मानिक चंद्र स्वयं तथा उनके द्वारा गठित की गई टीम सभी जगह छापा मारा अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।इस संबंध में मानिकचंद ने बताया शुक्रवार को सहायक आयुक्त(खाद्य)–।। के नेतृत्व में सचल दल (खाद्य सुरक्षा अधिकारी– नन्द किशोर यादव, अजय कुमार सोनी) के साथ प्रतिष्ठान ब्लिंक कामर्स प्रा0 लि0 से 01 नमूना खजूर एवं 18 किग्रा0 खजूर मूल्य 9180 का जब्त किया गया।बताया कि अजय कुमार सोनी के द्वारा 01 नमूना खजूर व 1560 किग्रा0 खजूर मूल्य 780000/– का जब्त किया गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ0 पी0के0 त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनूप सिंह द्वारा 01 नमूना बादाम व 249 किग्रा0 मूल्य 211650/– का जब्तीकरण किया गया।बताया कि सुमित चौधरी के द्वारा 01 नमूना काजू व 01 नमूना खजूर का व बादाम 99 किग्रा0 मूल्य लगभग 82170/– एवं काजू 49 किग्रा0 मूल्य 32340/– का जब्त किया गया। इस प्रकार आगामी होली त्योहार के अभी तक कुल 46 नमूनों का संकलन कर जांच हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया एवं 96 किग्रा0 पनीर व खोया कुल

मूल्य 71580/– का नष्ट कराया गया व कुल मूल्य 2471408/– का जब्तीकरण किया गया। जिलाधिकारी निर्देशन में आगामी होली त्योहार में आमजनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सघन प्रवर्तन कार्यवाही जारी रहेगी। उन्होंने होली पर्व को लेकर जहां एक तरफ सभी प्रतिष्ठानों के स्वामियों से अपील किया है कि थोड़े से लाभ के लिए वह किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य से खिलवाड़ ना करें मिलावट थोड़ी ना करें वहीं लोगों से भी अपील किया है कि बासी तथा मिलावट खाद्य पदार्थ को ना खरीदें अगर कोई भी प्रतिष्ठा के स्वामी इस तरीके से बेचते हुए पाए जाएं या दिखे तो उसकी सूचना या खाद्य विभाग को दे सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

संपादकीय

भारत को बांग्लादेश के साथ बेहतर समन्वय की जरुरत

बांग्लादेश के साथ भारत की कूटनीति का तीसरा पहलू क्षेत्रीय भू राजनीति से जुड़ा है। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले की नीति का मुख्य केंद्र रहा है। कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, जल बंटवारा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की परस्पर निर्भरता गहरी है। शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की भारत की विदेश नीति पिछले कुछ दशकों में पूरी तरह से विफल हो गई थी। लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव आ गया था। अब भारत ने नए सिरे से संबंधा सुधार के प्रयास शुरू किए हैं। बांग्लादेश के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल हुए। वे अपने साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चित्र्ठी लेकर गए थे। प्रधानमंत्री ने उनको भारत आने का न्योता दिया है। यह सिर्फ औपचारिक शिष्टाचार नहीं है, बल्कि यह एक सुविचारित कूटनीतिक पहल भी है। यह पहल दोपक्षीय संबंधों की निरंतरता और उच्च स्तरीय राजनीतिक विश्वास को दिखाता है। दूसरी ओर इसी यात्रा में भारत के विदेश सचिव का बांग्लादेश के प्रमुख विपक्षी नेता और जमात ए इस्लामी के प्रमुख शफीकुर्रहमान से मिलना इस बात का संकेत है कि भारत अपनी नीति को बहुस्तरीय और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ा रहा है। भारत की एक ब हुत अच्छी कूटनीतिक पहल यह रही कि किसी केंद्रीय मंत्री को भेजने की बजाय लोकसभा के स्पीकर को शपथ समारोह में भेज गया। यह दो देशों के संबंधों की भावना को रेखांकित करता है। स्पीकर का पद दलीय राजनीति से ऊपर माना जाता है, इसलिए यह संदेश गया कि भारत की प्रतिबद्धता सिर्फ किसी एक दल या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्थागत संबंधों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री का पत्र और भारत आने का निमंत्रण इस बात का संकेत है कि नई सरकार के साथ संवाद को जल्दी से जल्दी और सकारात्मक दिशा में ले जाने की भारत की मंशा है। दूसरी रणनीतिक पहल विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बांग्लादेश के विपक्षी नेता से मुलाकात है। शफीकुर्रहमान, बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात ए इस्लामी के प्रमुख हैं। जमात को पहली बार बांग्लादेश की तीन सौ सदस्यों की संसद में करीब 70 सदस्यों का प्रतिनिधित्व मिला है। यह एक तरह से उसकी राजनीतिक वैधता है। उनसे मुलाकात कर भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह केवल सत्तारूढ़ दल पर निर्भर रहकर अपनी विदेश नीति नहीं गढ़ता, बल्कि संभावित सत्ता परिवर्तन की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखता है। हालांकि बांग्लादेश में तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को जबरदस्त जनादेश मिला है लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा का मसला वहां के समाज से जुड़ा है और उसे सुनिश्चित करने के लिए जमात के नेता के साथ भारत के संबंधों की बेहतरी भी जरूरी है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा

अजीत द्विवेदी

चौतरफा अविश्वास बढ़ रहा है। नियम आधारित पुरानी विश्व व्यवस्था बिखर गई है। दुनिया के किसी भी देश को दूसरे देश पर या देशों के किसी भी समूह को दूसरे समूह पर भरोसा नहीं रह गया है। जब अमेरिका और यूरोप के बीच अविश्वास बढ़ गया तो बाकी देशों के बारे में क्या कहा जाए! इसी तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा है। दुनिया की अर्थव्यवस्था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश और उसके बाजार में आए उछाल से चलती दिख रही है। इसने सॉफ्टवेयर और आईटी आधारित सेवाओं के उद्योग को लगभग ध्वस्त कर दिया है। जब से एआई कंपनी एंथ्रोपिक की ओर से कहा गया कि उसके ऑटोमेटेड ऑफिस सूट से सॉफ्टवेयर और दूसरे ऑपरेटिंग सिस्टम्स की जरुरत ही खत्म हो जाएगी तब से आईटी कंपनियों की हालत खराब है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने भी कहा है कि अगले डेढ़ से दो साल में सारे व्हाइट कॉलर जॉब्स एआई के जरिए ऑटोमेटेड हो जाएंगे। हालांकि इसके बावजूद चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी और दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया के निवेशक अपने पैसे निकाल रहे हैं। सॉफ्टबैंक से लेकर पीटर थील तक ने पैसे निकाले हैं तो यह भी खबर है कि कंपनी के सीईओ से लेकर दूसरे अहम लोग भी अपने शेयर बेच रहे हैं। यह अविश्वास पूरी अर्थव्यवस्था को अपने चपेट में ले सकता है। वैश्विक भू राजनीतिक और आर्थिक अविश्वास के माहौल में सबसे चिंता की स्थिति भारत में दिख रही है, जहां राजनीतिक और सामाजिक विभाजन दिन प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ कहने की जरुरत नहीं है। यह उपभोग आधारित है तो डेढ़ सौ करोड़ लोगों की अर्थव्यवस्था चलती ही रहेगी और जिस रफ्तार से बढ़ रही है उस रफ्तार से बढ़ती रहेगी। लेकिन सामाजिक और राजनीतिक विभाजन, अविश्वास देश के सामने बड़ा खतरा बन कर आया है। देश की राजनीति में कभी भी ऐसी स्थिति नहीं रही थी कि सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों के बीच एक दूसरे के प्रति नफरत का भाव हो। अब पार्टियों के बीच निजी दुश्मनी हो गई है। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में पार्टियों के नेता एक दूसरे से दुआ सलाम करने से घबरा रहे हैं कि कहीं उनके शीर्ष नेता ने देख लिया या पता चल गया तो उसके नंबर कट जाएंगे। अगर पहले सामाजिक विभाजन की बात करें तो इतने गहरे विभाजन की शुरुआत 80 बनाम 20 की राजनीति से हुई थी और यूजीसी के नियमों से अंतिम मुकाम तक पहुंची है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले श्सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासत्र की बात कही लेकिन उनकी पार्टी की नीतियों और नेताओं के बयानों से यह संदेश गया कि भाजपा को 20 फीसदी अल्पसंख्यकों, जिनमें मुस्लिम, सिख और ईसाई तीनों शामिल हैं उनके वोट नहीं चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो खुल कर 80 और 20 की बात कही। उन्होंने बंटोंगे तो कटोगे का नारा दिया। प्रधानमंत्री ने भले ऐसा कोई नारा नहीं दिया लेकिन जब भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया और एक भी मुस्लिम को मंत्री नहीं बनाया गया तो बिना कहे यह सिद्धांत स्थापित हुआ। मुसलमानों को अलग थलग करने की जो राजनीति शुरू हुई थी उसमें राज्यवार दूसरी चीजें जुड़ती गईं। बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम के साथ साथ यादव को अलग थलग किया गया। हरियाणा में जाट को, महाराष्ट्र में मराठों को, झारखंड में आदिवासियों को अलग थलग किया गया। कहीं गैर यादव पिछड़ी व अन्य जातियों का समीकरण बनाया गया तो कहीं गैर मराठा तो कहीं गैर आदिवासी का समीकरण बनाया गया। अब इस विभाजनकारी राजनीति का अगला मुकाम सामान्य जातियों को अलग थलग करने का है। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के लिए यूजीसी की ओर से जो नियम लाए गए हैं, जिनको भेदभावकारी बता कर सुप्रीम कोर्ट ने रोक दिया है, वो इसी प्रयोग का हिस्सा हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता और उसकी सरकार के मंत्री अब खुल कर कह रहे हैं कि वे देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए काम कर रहे हैं। सरकार की पूरी स्कीम ऑफ थिंग्स में से सामान्य जातियों को बाहर कर दिया गया है। इससे सामाजिक स्तर पर इतना अविश्वास बढ़ा है कि जाति पूछ कर यूनिवर्सिटी कैम्पस में छात्रों पर हमले हो रहे हैं।

देश की प्रगति पर ब्रेक लगा रहा है ट्रैफिक जाम

योगेंद्र

देश आधारभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। हर तरफ हालकृ बेहाल है। देश के राजनीतिक दल ऐसी सुविधाएं के प्रति गंभीर नहीं हैं। यही वजह है कि इन सुविधाओं की कमी से देश का हर साल अरबों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। राजनीतिक दल और सरकारें ऐसी सुविधाओं की कमी के लिए एककृ दूसरे को कोस कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2025 के अनुसार बेंगलुरु दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा जाम वाला शहर है। रैंकिंग में सिर्फ मैक्सिको सिटी ऐसा शहर है, जहां ट्रैफिक की स्पीड बेंगलुरु से कम है। पांचवें स्थान पर महाराष्ट्र का पुणे शहर है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बेंगलुरु के जाम के कारण लोगों को एक साल में 168 घंटे गंवाने पड़े। यह समय 7 दिन और 40 मिनट के बराबर है। बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीएजी) के सर्वे के अनुसार, सुबह 7 से 9 और शाम को 6 से 8 को पीक समय माना गया है। इस दौरान आने–जाने में औसत से डेढ़ गुना अधिक समय लगता है। इस सर्वे में कोलकाता की स्थिति सबसे खराब थी। बेंगलुरु दूसरे पायदान पर रहा। सबसे ज्यादा वाहनों की संख्या के बावजूद बेहतर सड़कों के चलते दिल्ली की स्थिति बेहतर रही। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में निजी वाहन से चलने वालों की संख्या सबसे अधिक 45 फीसदी रही, जबकि बेंगलुरु में यह आंकड़ा 38 फीसदी रहा। सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग के मामले में मुंबई ने बाजी मारी, जिसके बाद कोलकाता का नंबर रहा। इस मामले में बेगलुरू सबसे निचले पायदान पर रहा जहां ट्रैफिक जाम आम हो गया है। भारत के प्रमुख चार शहरों– दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में ट्रैफिक जाम के चलते हर साल 1.47 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है। एक हालिया स्टडी में खुलासा हुआ है कि ट्रैफिक जाम के कारण बेंगलुरु को लगभग हर साल 20,000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान होता है। भारत की सिलिकॉन वैली का सपना देखने वाले इस शहर में हर साल हजारों लोग आते हैं। पिछले 15 सालों में शहर की आबादी तेजी से बढ़ी है। अब यहां करीब 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। सड़कों पर एक करोड़ से अधिक गाड़ियां हैं। गाड़ियों की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने एक बयान में कहा था कि साल 2027 तक शहर में वाहनों की संख्या यहां की आबादी से ज्यादा होगी। दिल्ली में यातायात जाम से संबंधित आर्थिक नुकसान 2030 तक 14.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अकेले यातायात जाम के कारण ईंधन की बर्बादी से प्रतिदिन लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिससे शहर में पहले से ही गंभीर वायु गुणवत्ता की समस्या और भी बढ़ जाएगी। रघ्पिोर्ट में पता चला कि कर्मचारियों ने काफी समय ट्रैफिक में फंसकर बिताया, जिससे उत्पादकता में काफी नुकसान हुआ। स्टडी का अनुमान है कि ट्रैफिक संबंधी बाधाओं के कारण अकेले आईटी सेक्टर को लगभग 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, छोटे और मध्यम उद्यमों पर ट्रैफिक जाम के प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। ये व्यवसाय डिलीवरी शेड्यूल को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप शिपमेंट में देरी होती है और ग्राहक असंतुष्ट होते हैं। बदले में इसका शहर की अर्थव्यवस्था पर तेजी से प्रभाव पड़ता है, जिससे लगभग 3,500 करोड़ रुपये का नुकसान होता है। भारत में वर्ष 2000 से मोटर वाहन उपयोग में भारी वृद्धि हुई है और हर 5–6 वर्षों में नए वाहनों की संख्या दोगुनी हो जाती है। हालांकि महामारी के कारण कुछ समय के लिए यह वृद्धि रुक गई, लेकिन मोटर वाहन उपयोग में तेजी से सुधार हुआ और 2023–24 में औसतन प्रतिदिन 58,000 नए वाहन पंजीकृत हुए, जिनमें से 52,000 निजी वाहन थे। दिल्ली में, इसी अवधि में औसतन 6.4 लाख वाहन पंजीकृत हुए और औसतन प्रतिदिन नए वाहन पंजीकृत हुए, जिनमें से लगभग 1,750 नए वाहन थे। यातायात जाम बढ़ने का एक कारण श्कारों की अत्यधिक संख्याश है। ट्रैफिक में वाहनों के खड़े रहने से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 3ः बर्बाद हो जाता है। महानगर यातायात के कारण जाम से ग्रस्त हो गए हैं, जिसका 10ः ईंधन की खपत के कारण बर्बाद होता है। जहां वाहन ट्रैफिक में खड़े होते हैं, वहां प्रदूषण का एक क्षेत्र बन जाता है, जिसमें कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड जैसी गैसें होती हैं, जिन्हें मापा जा सकता है। यातायात जाम का प्रदूषण पर सीधा प्रभाव पड़ता है, क्योंकि रुके हुए वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन सुचारू रूप से चल रहे यातायात की तुलना में 3 से 7 गुना अधिक हो सकता है। नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड की बड़ी मात्रा उत्सर्जित होती है, जिससे स्थानीय वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है और स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा होता है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की शहरी जनसंख्या 31.16ः थी, जो विश्व बैंक के 2022 के अनुमान के अनुसार शहरी जनसंख्या 2020 तक बढ़कर 35ः हो चुकी है। शहरीकरण की यह गति आने वाले वर्षों में और तेज होगी, जिससे

महानगरों में वाहनों की संख्या भी बढ़ेगी। दिल्ली में 2023 तक लगभग 1.2–1.3 करोड़ पंजीकृत वाहन थे, पर्यावरण प्रदूषण भी ट्रैफिक जाम की एक गंभीर परिणति है। दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 भारत में हैं। ट्रैफिक जाम के कारण वाहनों से निकलने वाले कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि होती है, जिससे वायु गुणवत्ता खराब होती है और स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हैं। इस समस्या के समाधान के लिए कई प्रभावी रणनीतियां अपनाई जा सकती हैं। सबसे पहले सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करना अनिवार्य है। अधिक शहरों में मेट्रो नेटवर्क, इलेक्ट्रिक बसों और साइकिल ट्रैक को बढ़ावा देना चाहिए। भारत में हाई–ऑक्यूपेंसी व्हीकल लेन का प्रावधान किया जा सकता है, जिससे एक से अधिक यात्रियों वाले वाहनों को प्राथमिकता मिले और कार–पूलिंग को प्रोत्साहन मिले। सड़कों के बुनियादी ढांचे में सुधार भी आवश्यक है। फ्लाईओवर, मल्टी–लेवल पार्किंग और स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए। मुंह बाएं खड़ी ट्रैफिक जाम की समस्या के लिए तत्काल युद्ध स्तर पर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले वक्त में यह समस्या विकराल रूप धारण कर लेगी।

मां तुझे सलाम, यही है असली वंदेमातरम

सर्वमित्रा

अपने बेटे को जेल में देखकर भी मां कहे कि हमें आज भगत सिंह की जरूरत है, तो ऐसी मां को हजार सलाम, जो बिना घबराए अपने बेटे को न केवल हौसला दे रही हैं, बल्कि बाकी युवाओं को भी ऐसे अन्याय के खिलाफ खड़े होने का आह्वान कर रही हैं। ऐसी ही एक मिसाल उत्तराखंड के कोटद्वार से आई, जहां जिम प्रशिक्षक दीपक की मां ने उन्हें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की परवरिश दी। वंदे मातरम का असली मतलब अगर भाजपा के लोग समझते तो कभी उसे अपनी संकीर्ण मानसिकता के साथ राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं करते। लेकिन भाजपा के लिए वंदे मातरम का उद्घोष भी वैसा ही है, जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी मां के संघर्ष को बयां करें। देश से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पर नरेन्द्र मोदी ने न केवल अपनी गरीबी का रोना रोया, बल्कि अपनी मां के संघर्षों का जिक्र कर आंसू बहाए, ताकि सहानुभूति मिल सके। इसके बाद जन्मदिन पर कैमरे के कई एंगल्स के बीच उनके हाथ से प्रसाद खाना या उनके पैरों पर बैठना जैसे उपक्रम भी उन्होंने किए ताकि मां–बेटे के प्यार का राजनीतिक इस्तेमाल हो सके। हालांकि जब तक नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री रहे, उनकी मां का ऐसा सार्वजनिक जिक्र हुआ हो, याद नहीं पड़ता। क्या प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें अपनी मां के करीब होने की जरूरत ज्यादा पड़ी, यह सोचने वाली बात है। नोटबंदी के फैसले को सही ठहराने के लिए प्रधानमंत्री ने अपनी मां को बैंक की कतार में भी खड़ा कर दिया था और जब उनके जीवन के आखिरी दिनों में जब वे आईसीयू में थीं, तब भी कई कैमरों के साथ नरेन्द्र मोदी आईसीयू में पहुंचे थे, यह भी सबने देखा है। उनकी मौत के बाद भी मां की ममता को राजनैतिक फायदे के लिए भुनाने की कोशिशें उन्होंने की, याद कीजिए कि बिहार चुनाव के वक्त वे गयाजी में उनका पिंडदान करने वाले थे, जबकि यह काम पहले उनके भाई वाराणसी में कर चुके थे। दो–दो बार पिंडदान कर मोदी न केवल अपनी दिवंगत मां का अपमान करते, बल्कि हिंदू धर्म का भी अनादर ही होता। लेकिन समरथ को नहीं दोष गुंसाईं को मोदी ने शायद कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया है कि वे कुछ भी करेंगे और सवाल नहीं उठेंगे।बहरहाल, मां के नाम को भुनाने का ताजा उदाहरण नरेन्द्र मोदी ने मेरठ में रेपिड मेट्रो के उद्घाटन पर दिया, जहां भाषण देने के दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निकृष्ट से निकृष्टतम शब्दों का इस्तेमाल कर हमला किया, इसके साथ ही कहा कि कांग्रेस के लोग उनकी मां को अपशब्द कहते हैं। जबकि बिहार चुनाव के दौरान हुए इस प्रकरण में कांग्रेस का हाथ है, ऐसा कहीं साबित नहीं हुआ है। लेकिन इस समय नरेन्द्र मोदी एपस्टीन फाइल्स, अमेरिका से ट्रेड डील, ऑपरेशन सिंदूर पर उठे सवाल, मनरेगा को खत्म करना, हरदीप पुरी को संरक्षण जैसे कई मुद्दों पर इतनी बुरी तरह घिरे हुए हैं कि उनकी बौखलाहट अब खुलकर जाहिर होने लगी है। मोदी को यह समझ नहीं आ रहा कि सार्वजनिक तौर पर रोने–धोने की चालाकी से अब सियासी फायदा नहीं मिलेगा, क्योंकि लोग भी देश की हकीकत देख रहे हैं। और जिन्हें अब तक हकीकत नजर नहीं आई, उन्हें भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतार कर प्रदर्शन कर दिखा दिया कि मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड।इस प्रदर्शन की भाजपा समेत मीडिया के बड़े हिस्से ने खूब आलोचना की, लेकिन इसका कितना व्यापक असर हुआ है, ये मोदी सरकार की घबराहट ने जाहिर कर दिया। उसने पहले कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया, लेकिन गिरफ्तार लोगों ने न डर दिखाया, न आत्मसमर्पण (सरेंडर) किया और न कॉम्प्रोमाइज्ड (दबाव में आकर समझौता) हुए। इसके बाद कांग्रेस पर दबाव बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी सार्वजनिक आलोचना की। कांग्रेस नेताओं को धिक्कारते हुए प्रधानमंत्री ने ये तक कह दिया कि इन्हें शर्म नहीं आती। लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस के तेवर ढीले नहीं हुए, बल्कि राहुल गांधी ने तो बाकायदा वीडियो जारी कर बता दिया कि असली शर्म क्या होती है और ये किसे आनी चाहिए।राहुल गांधी ने कहा श्मोदी जी, आप शर्म की बात करते हो? शर्म की बात मैं आपको बताता हूं। एपस्टीन फाइल में आपका, आपके मंत्री और आपके मित्र का नाम साथ में आना, ऐसे घिनौने अपराधी के साथ आपका नाम जुड़ा होना – ये शर्म की बात है। अमेरिका के साथ ट्रेड डील में देश को बेच देना शर्म की बात है। राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने देश का डेटा दे दिया, किसानों को खत्म कर दिया और टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बर्बाद कर दिया।श राहुल ने अडानी पर अमेरिका में चल रहे केस का जिक्र किया और कहा, श्पूरा देश जानता है कि अडानी केस ने आपकी रातों की नींद उड़ा रखी है। यह भाजपा और आपके फाइनेंशियल आर्किटेक्चर पर केस है। 14 महीनों से कोई कार्रवाई नहीं हुई– ये शर्म की बात है।श राहुल ने कहा, श्मोदी जी, आप अपने मित्रों अनिल अंबानी, अडानी और खुद के लिए जो उचित समझें, वो कीजिए। मैं और कांग्रेस पार्टी के बब्बर शेर देश की रक्षा करते रहेंगे– एक इंच पीछे नहीं हटेंगे।श्राहुल गांधी ने न केवल नरेन्द्र मोदी को चेतावनी दे दी, बल्कि अपने कार्यकर्ताओं को भी संदेश दे दिया कि वो हर हाल में उनके साथ खड़े हैं। युवा कांग्रेस में इस नए जोश का दिखना जाहिर करता है कि जिस

कांग्रेस मुक्त भारत का सपना लेकर मोदी सत्ता में आए थे, वो अब दूर की कौड़ी नहीं बल्कि असंभव ही है। राहुल गांधी का अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़े होना जाहिर बात है, लेकिन बड़ी बात ये है कि अब कार्यकर्ताओं के अभिभावक भी उनके साथ खड़े हो रहे हैं। जैसे युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब को एआई समिट में प्रदर्शन का मास्टरमाइंड बताते हुए पुलिस ने गिरफ्तार किया और अब उन्हें चार दिनों की रिमांड पर भी भेजा जा चुका है। लेकिन इस मुश्किल वक्त में घबराने की जगह उनके माता–पिता अपने बेटे पर गर्व कर रहे हैं कि वो सही काम के लिए हिम्मत दिखा कर डटे रहे। उदय भानु चिब की मां ने कहा कि हमें आज भगत सिंह की जरूरत है। मैं सभी नौजवानों से आह्वान करती हूं कि भगत सिंह बनो और अपने देश की सोचो। उन्होंने कोई गुनाह नहीं किया है।श वहीं उनके पिता ने कहा कि महात्मा गांधी और उनके साथियों ने आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। यहां दुख इस बात का है कि पीएम मोदी और उनके साथी तो हिंदुस्तानी हैं, कम से कम आप अंग्रजों जैसा हाल मत करो, ये भी हिंदुस्तान हैं, राष्ट्रवादी लोग हैं। उन्होंने कहा, श्मुझे अपने बेटे पर गर्व है। मैं नहीं समझता उदय ने कुछ गलत किया है।

पाणिनि से एआई स्टैक तक– दिल्ली का एआई गौरव और राष्ट्रीय क्षमता का लक्ष्य

हरदीप एस पुरी

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक हैरू बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैं और बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैं और दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी। पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था और किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयीरू 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय–आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा हैरू डेटा पर संप्रभुता, डिजाइन के अनुसार समावेश और स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई हैरू नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता थाय व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तक और कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं। अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास–उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी–कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता हैरू लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेजी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस (?65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता हैरू एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है। पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन–देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा है और यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन–देन से भी अधिक है। जेएएम त्रय ने 2015 से अब तक ?3.48 लाख करोड़ से अधिक की कल्याण बचत प्रदान की है। किसी अन्य देश ने एक ही नीतिगत व्यवस्था के तहत पहचान, भुगतान और पात्रता–अधिकार के वितरण का निर्माण इस स्तर पर नहीं किया है और यही वह आधारशिला है, जिस पर भारत का एआई खड़ा है। यदि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को देश से जोड़ना था, तो एआई अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को क्षमता से जोड़ना है और यहाँ आंकड़े एक चौंकाने वाला अंतर दिखाते हैंरू भारत दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत डेटा का उत्पादन करता है, लेकिन यहाँ वैश्विक डेटा–केंद्र क्षमता का केवल लगभग 3 प्रतिशत मौजूद है। अब इस अंतर को उसी इरादे के साथ पाटा जा रहा है, जिसने यूपीआई का निर्माण किया थारू तेज, बड़े पैमाने पर और संप्रभु डिजाइन के साथ। विचार करें कि भारत मंडपम में एक ही सप्ताह में क्या घोषणाएँ की गईं। माइक्रोसॉफ्टरू 2030 तक वैश्विक दक्षिण के लिए 50 बिलियन डॉलर, जिसमें से पहले ही 17.5 बिलियन डॉलर की भारत के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है। गूगलरू अमेरिका–भारत संपर्क पहल, जो पांच वर्षों में 15 बिलियन डॉलर से संचालित होगी। अमेजन वेब सर्विसेजरू महाराष्ट्र में 8.3 बिलियन डॉलर। अदानी समूहरू 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा–संचालित एआई डेटा केन्द्रों के लिए 100 बिलियन डॉलर। योटा डेटा सर्विसेजरू एनवीडिया के ब्लैकवेल अल्ट्रा चिप्स का उपयोग करके एशिया के सबसे बड़े एआई कंप्यूटिंग हब में से एक के लिए 2 बिलियन डॉलर से अधिक। लार्सन एंड टुब्रोरू एनवीडिया के साथ भारत की सबसे बड़ी गीगावाट–स्केल एआई फैक्ट्री बनाने के लिए प्रस्तावित परियोजना। इंडियाएआई मिशन का राष्ट्रीय कंप्यूट क्लस्टर 38,000 जीपीयू पार कर चुका है और इसे 58,000 तक बढ़ाया जा रहा है, जो स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक लागत के लगभग एक तिहाई पर उपलब्ध है। अगले दो वर्षों में एआई अवसंरचना में 200 अरब डॉलर के निवेश का सरकार का लक्ष्य महज आकांक्षा नहीं हैय घोषित प्रतिबद्धताएँ इसे हासिल करने के दायरे में लाती हैं। केंद्रीय बजट 2026–27 का उद्देश्य इस निवेश को दीर्घकालिक संरचनात्मक लाभ में बदलने का है, जो उन विदेशी कंपनियों के लिए टैक्स होलीडे का 2047 तक विस्तार करता है, जो वैश्विक क्लाउड सेवाओं के लिए भारतीय डेटा सेंटर का उपयोग करती हैं तथा एआई और उच्चतम निर्माण स्टार्टअप्स के लिए 1.1 अरब डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड का वचन देती हैं। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन, जिसका परिव्यय 34,000 करोड़ रुपये से अधिक का है, लिथियम, कॉबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं को सुरक्षित करता है, जिन पर एआई और सेमीकंडक्टर का निर्माण निर्भर होता है। हालाँकि यह सब तब तक मायने नहीं रखता, जब तक यह लोगों तक नहीं पहुँचता। शिखर सम्मेलन के पहले दिन, 2.5 लाख से अधिक छात्रों ने नवाचार के लिए जिम्मेदार एआई का उपयोग करने की शपथ ली, यह संख्या गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की मान्यता के लिए प्रस्तुत की गई है।

कांशीराम की जयंती पर सपा का पीडीए दिवस मनाना नाटकबाजी : मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि समाजवादी पार्टी का चाल, चरित्र और चेहरा दलित, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं बसपा विरोधी रहा है। साथ ही बहुजन समाज के संतों, गुरुओं, महापुरुषों के अनादर, अपमान व तिरस्कार का भी रहा है। यह इनका पीडीए भी जानता है। बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर सपा द्वारा पीडीए दिवस मनाना राजनीतिक नाटकबाजी के सिवा कुछ भी नहीं है। बसपा सुप्रीमो ने बृहस्पतिवार को जारी अपने बयान में कहा कि सपा का बदला व्यवहार इन

उपेक्षित वर्गों के वोटों का स्वार्थ है। अन्य विरोधी पार्टियां भी इन वर्गों के वोटों के स्वार्थ की खातिर ऐसे ही दिखावा करती हैं। इन वर्गों के शोषण, अत्याचार व जुल्म का लंबा इतिहास है, जिसे भुलाया जाना असंभव है। उन्होंने कहा कि सपा के इस जातिवादी इतिहास की शुरुआत वर्ष 1993 में सपा व बसपा के गठबंधन से हुई थी, जब दलित एवं अन्य कमजोर वर्गों पर अत्याचार रोकने की पहली शर्त के बावजूद तत्कालीन सीएम मुलायम सिंह यादव ने अपना रवैया नहीं बदला था। इसकी वजह से बसपा को 1 जून 1995 को सरकार से अपना समर्थन वापस लेना पड़ा था। अगले दिन लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस कांड कराकर मेरे ऊपर जो जानलेवा हमला कराया गया, वह सब काली क्रूरता सरकारी रिकार्ड के साथ–साथ इतिहास के पन्नों में भी दर्ज है। बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि सपा को सत्ता में बैठाने वाले कांशीराम के सम्मान में बसपा सरकार में कासगंज को जिला मुख्यालय का दर्जा देकर कांशीराम नगर जिला बनाया गया, जो अखिलेश यादव के गले के नीचे नहीं उतरा और सपा सरकार बनते ही अन्य जिलों व संस्थानों आदि के नामों की तरह उसे भी बदल दिया गया। यह बहुजन समाज के साथ विश्वासघात नहीं तो और क्या है? इसी तरह कांशीराम के नाम से बने उर्दू–फारसी अरबी यूनिवर्सिटी और सहारनपुर के सरकारी अस्पताल का नाम भी सपा सरकार ने बदला था। उन्होंने कहा कि सपा का रवैया मुस्लिम विरोधी भी रहा है।

उमाशंकर सिंह और करीबियों के घर से 10 करोड़ कैश बरामद, ऑफिस और अन्य जगहों पर आईटी की कार्रवाई जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के घर पर बुधवार से जारी आयकर टीम का छापा गुरुवार को समाप्त हो गया। उनके घर से 10 करोड़ की नकदी बरामद हुई है। अभी उनके ऑफिस और अन्य स्थानों पर कार्रवाई जारी है। विपुलखंड स्थित उनके आवास पर कार्रवाई पूरी हो गई है। बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट से एकमात्र बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर बुधवार को आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। लखनऊ, बलिया, सोनभद्र, कौशांबी, मिर्जापुर और प्रयागराज में 30 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। 50 से ज्यादा अधिकारियों की टीमें सुबह 11 बजे से देर रात तक जांच में जुटी रहीं। खबर लिखे जाने तक तीन करोड़ रुपये से अधिक की नकदी गिनी जा चुकी थी। आयकर विभाग की तीन टीमों ने लखनऊ के गोमतीनगर में विपुल खंड स्थित उमाशंकर सिंह के आवास, उनकी कंपनी छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कॉरपोरेट ऑफिस और वजीर हसन रोड पर करीबी ठेकेदार फैजी के ठिकानों को खंगाला। इसके अलावा सोनभद्र में साईं राम इंटरप्राइजेज कंपनी के नाम से खनन का कारोबार करने वाले उमाशंकर सिंह के करीबी सीबी गुप्ता समेत कई खनन कारोबारियों के ठिकानों को खंगाला जा रहा है। आयकर विभाग ने सुबह 11 बजे सभी ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था, जिसके बाद टैक्स चोरी और बेनामी संपत्तियों से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। उमाशंकर सिंह छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी और साईं राम इंटरप्राइजेज के नाम से सड़क और खनन से जुड़े कार्य करते हैं। बीते वर्ष सीएजी (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में कहा था ।

संक्षिप्त खबरें

कैंसर संस्थान ने किया करार, जांच के वेस्ट से बनेंगी किट

लखनऊ, (संवाददाता)। कल्याण सिंह कैंसर संस्थान ने मेक इन इंडिया अभियान को बढ़ावा देने के लिए निजी एजेंसी से करार किया है। करार के तहत संस्थान विभिन्न जांचों के बाद खाली हुए बैग और विभिन्न फ्लूइड एजेंसी को सौंपेगा। इसके एवज में संस्थान को सालाना एक लाख रुपये मिलेंगे। एजेंसी इनके माध्यम से जांच किट विकसित करेगी। संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वरुण विजय ने बताया कि संस्थान में टीबी की जांच के साथ ही विभिन्न जांच के लिए लिए जाने वाले खून के सैंपल और फ्लूइड निकलता है। इसे फेंकना पड़ता है। करार के तहत यह वेस्ट एजेंसी को दे दिया जाएगा। यह एजेंसी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की ओर से मान्यता प्राप्त है। कई अन्य बड़े संस्थान भी अपने यहां का वेस्ट इसी एजेंसी को देते हैं।

एनएचएम कर्मियों ने वेतन व नियमितीकरण की मांग उठाई

लखनऊ, (संवाददाता)। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश ने भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के वेतन व नियमितीकरण आदि की मांगों को लेकर डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2005 से कार्यरत संविदा कर्मियों ने महामारी, टीकाकरण, मातृ–शिशु स्वास्थ्य व ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके बावजूद दीपावली से वेतन भुगतान में विलंब से कर्मचारी परेशान हैं। संघ ने समयबद्ध वेतन, 10 वर्ष से अधिक सेवा वालों का समायोजन, स्पष्ट वेतन नीति, सामाजिक सुरक्षा लाभ और पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करने की मांग की। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री योगेश उपाध्याय, मंडल संयोजिका बिंदुमती, प्रदेश कोषाध्यक्ष अभयानंद व जिला सचिव राम ललित शुक्ला सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

विजय तेंदुलकर के नाटकों से सजी शाम

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में बुधवार की शाम मशहूर नाटककार विजय तेंदुलकर के नाटकों के नाम रही। श्री रंग कला सेवा संस्थान की ओर से कैसरबाग स्थित राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में उनके नाटकों शगिद्ध' व 'फुटपाथ का सम्राट' का मंचन किया गया। उधर, थिंकिंग व्हाइल स्लीपिंग पिक्चर्स संस्था ने गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में 'जाति ही पूछो साधु की' नाटक का मंचन किया। गिद्ध की कहानी ऐसे घर की है, जहां रमाकांत और उमाकांत पिता की दौलत पर गिद्ध–दृष्टि रखते हैं और इस इंतजार में हैं कि कब उनकी मृत्यु हो और सारी दौलत उनकी हो जाए। दौलत पाने की लालसा उन्हें इतना गिरा देती है, जहां इंसानी रिश्ते बेमानी साबित हो जाते हैं। आदर्श तिवारी, राहुल मिश्रा, एकता सिंह और मुस्कान सोनी ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं। नाटक का संयोजन सत्यवान और निर्देशन रुचिका ने किया। 'फुटपाथ का सम्राट' में फुटपाथ पर जिंदगी गुजार रहे लोगों की कहानी को प्रभावी ढंग से मंच पर उतारा गया। मुख्य पात्र साहिर और तुक्या अच्छे दोस्त होते हैं और अपने फुटपाथ पर ही रहते हैं।

होली पर घर वापसी शुरू, दिल्ली और मुंबई की ट्रेनों में कन्फर्म सीट हुई कठिन

लखनऊ, (संवाददाता)। होली का त्योहार नजदीक आते ही दिल्ली, मुंबई और हावड़ा रूट पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। रेगुलर ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 150 से 200 के पार पहुंच गई है, लेकिन रेलवे प्रशासन यात्रियों को राहत देने के बजाय स्पेशल ट्रेनों के जरिये कमाई पर अधिक ध्यान दे रहा है। रेलवे ने दावा किया था कि मुंबई रूट पर चलने वाली उद्योगनगरी एक्सप्रेस जैसी साप्ताहिक और द्विसाप्ताहिक ट्रेनों को रेगुलर किया जाएगा। इस घोषणा के महीने भर बाद भी स्थिति जस की तस है। यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल का कहना है कि रेलवे अफसर यात्रियों के हितों को लेकर गंभीर नहीं हैं। रेगुलर ट्रेनों को विस्तार देने के बजाय केवल स्पेशल ट्रेनों का कारवां बढ़ाया जा रहा है। अब तक 76 स्पेशल ट्रेनों की घोषणा हो चुकी है, जिनकी संख्या 110 तक पहुंचने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, लखनऊ से दिल्ली, मुंबई और हावड़ा रूट की ट्रेनों को 24 बोगियों के फुल रैक के साथ चलाने की योजना थी। इसके लिए

करीब 190 अतिरिक्त बोगियों (जनरल, स्लीपर और एसी) की जरूरत है, लेकिन रेलवे के पास कोच उपलब्धता न होने के कारण यह योजना कागजों तक सीमित रह गई है। नतीजतन, रेगुलर ट्रेनों में जगह न मिलने से यात्री परेशान हैं। यात्री संगठनों का आरोप है कि स्पेशल ट्रेनें दरअसल रेलवे की कमाई का जरिया हैं। इन ट्रेनों का किराया रेगुलर ट्रेनों की तुलना में अधिक होता है। मजबूरी में यात्रियों को होली पर घर जाने के लिए जेब ढीली करनी पड़ रही है। जहां रेगुलर ट्रेनों में क्लोन ट्रेनें चलाने और बोगियां बढ़ाने की मांग ठंडे बस्ते में है, वहीं, महंगे किराये वाली 76 स्पेशल ट्रेनें 26 फरवरी से पटरी पर उतरने को तैयार हैं।

बिकने के लिए तैयार मिठाई, दूध-खोवा और घी में मिली मिलावट 21 लाख का मिष्ठान कराया गया नष्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में होली व ईद से पहले शहर में मिलावटखोरों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की कार्रवाई बुधवार को भी जारी रही। विभाग की टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 16 खाद्य नमूने संग्रहित किए। सबसे बड़ी कार्रवाई ट्रांसपोर्ट नगर स्थित पराग मिल्क फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में हुई। यहां 1,998 किलोग्राम विभिन्न प्रकार की मिठाइयों की जांच की गई। उसकी गुणवत्ता खराब मिली। इस पर करीब 21.16 लाख रुपये कीमत की इस मिठाई को नष्ट करा दिया गया। इसके अलावा यहां 3,240 लीटर डबल टोंड दूध की गुणवत्ता भी खराब मिली। इस दूध को भी मौके पर नष्ट कराया गया। यहां 15.51 क्विंटल घी की गुणवत्ता पर संदेह होने पर उसकी बिक्री पर रोक लगाई गई है। सहायक आयुक्त विजय प्रताप सिंह ने बताया जांच के दौरान जेहटा माल सड़क पर दो पिकअप गाड़ियों

को रोककर तलाशी ली गई। गाड़ियों में खोवा लदा था जिसकी गुणवत्ता जांच में खराब मिली। इस तरह 113 किलोग्राम खोवा को तत्काल नष्ट करा दिया गया। करीब 13 क्विंटल खोवा की बिक्री को जांच रिपोर्ट आने तक रोका गया है। ऐशबाग में 10 कारोबारियों के यहां से करीब 12.8 क्विंटल खोवा का नमूना लेकर बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया। 49 किलो आलू चिप्स का सीजर बनाकर नमूने को प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। मिठाइयों पर सजी चमकदार परत हमारी नजर और स्वाद दोनों को लुभा लेती है, लेकिन यही चमक सेहत पर भारी भी पड़ सकती है।

संक्षिप्त खबरें

ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में नगर विकास व ऊर्जा विभाग की समीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में संगम सभागार, लखनऊ में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में नगर विकास तथा ऊर्जा विभाग की अलग–अलग समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने लक्ष्य प्राप्ति के लिए रणनीतिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।नगर विकास विभाग की बैठक में प्रमुख सचिव पी. गुरु प्रसाद, सचिव एवं निदेशक अनुज झा, विशेष सचिव प्रवीण लक्षकार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण तथा उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंधा निदेशक पंकज कुमार समेत विभागीय अधिकारियों ने सहभागिता की।बैठक में एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में दोनों विभागों की भूमिका और संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। शहरी आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक शहरी सुविधाओं के विस्तार, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, ऊर्जा दक्षता बढ़ाने तथा निवेश आकर्षित करने की रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया।मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि नगर विकास और ऊर्जा विभाग प्रदेश की आर्थिक प्रगति के दो सशक्त स्तंभ हैं। यदि शहरी सेवाएं पारदर्शी और मजबूत हों तथा विद्युत आपूर्ति विश्वसनीय हो, तो उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र को नई गति मिलेगी, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी।

केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी दौरे पर वैश्विक कंपनियों से निवेश और उन्नत प्रौद्योगिकी सहयोग पर की वार्ता

लखनऊ, (संवाददाता)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के दृष्टिकोण तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने की मंशा के अनुरूप जर्मनी प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार के साथ अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से महत्वपूर्ण बैठकें कीं।उप मुख्यमंत्री ने जापान की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ उन्नत सेंसर प्रौद्योगिकी, स्वायत्त प्लेटफॉर्म और स्मार्ट अवसंरचना से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया। बैठक में उत्तर प्रदेश में प्रोटोटाइप निर्माण और उन्नत विनिर्माण इकाई स्थापित करने की संभावनाओं, वाहन एवं विद्युत वाहन क्षेत्र के लिए स्मार्ट सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली निर्माण, स्मार्ट सिटी और डिजिटल अवसंरचना परियोजनाओं में सहभागिता तथा अनुसंधान एवं नवाचार आधारित सहयोग मॉडल पर गंभीर चर्चा हुई। कंपनी ने प्रदेश में अपनी निर्माण गतिविधियां स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई।इसके अलावा जर्मनी की एक अग्रणी ड्रोन निर्माण कंपनी के साथ तकनीक हस्तांतरण, संभावित निवेश मॉडल और उत्तर प्रदेश में उन्नत ड्रोन विनिर्माण एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के अवसरों पर विमर्श हुआ। बैठक में रक्षा और नागरिक उपयोग के लिए अत्याधुनिक प्रणाली के विकास, डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत औद्योगिक सहयोग तथा अनुसंधान और कौशल विकास में साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक संवाद हुआ।

पत्नी को दे दिया था तलाक, फिर से बनाना चाहता था संबंध, भाई ने तलवार से की थी हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। बाजारशुकुल कस्बा निवासी टेंट कारोबारी शरीफ के बेटे शाहिद (23) की हत्या प्रेम संबंध, निकाह और तलाक के बाद दोबारा निकाह करने की कोशिश निकली। तलाकशुदा पत्नी के भाई ने दो साथियों संग मिलकर साजिश रची और तलवार से हमला कर युवक की जान ले ली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर, चेहरे और गले पर सात गहरे घाव दर्ज हुए हैं। बाजारशुकुल कस्बा निवासी टेंट कारोबारी शरीफ के बेटे शाहिद (23) की सोमवार रात धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह शाहिद का शव इंटर कॉलेज मार्ग पर पुलिया के निकट झाड़ियों में मिला। शरीफ ने अपने भाई मोहम्मद गुलाम के साथ ही बेटे के दोस्त सहित चार लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। आरोपियों में शाहिद की तलाकशुदा पत्नी के भाई सुहेल के साथ शामिल था। बुधवार को पुलिस ने मामले का खुलासा किया। सीओ मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह ने बताया कि

मवैया रहमतगढ़ निवासी सुहेल, उसके साथी अभिषेक और एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में सुहेल ने स्वीकार किया कि वर्ष 2021 में शाहिद उसकी बहन को प्रेम संबंध में मुंबई ले गया था। बाद में दोनों लौटे और निकाह हुआ। कुछ समय बाद मतभेद बढ़े और तलाक हो गया। वर्ष 2023 में युवती का दूसरा निकाह संपन्न हुआ। इसके बाद भी शाहिद लगातार संपर्क साधता रहा और दोबारा निकाह का दबाव बनाता रहा। इसी बात से आक्रोशित होकर सुहेल ने योजना बनाई। सोमवार रात करीब आठ बजे फोन कर शाहिद को गैस एजेंसी के पास बुलाया गया। वहां सुहेल और बाल अपचारी ने उसे पकड़ लिया, जबकि अभिषेक ने तलवार से ताबड़तोड़ वार किए। हत्या के बाद शव नाले किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। अभिषेक के पास मृतक का मोबाइल बरामद हुआ। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया। बाल अपचारी को किशोर न्यायालय ने बाल सुधार गृह भेजने का आदेश दिया। सुहेल कस्बे में सब्जी की दुकान करता था। अभिषेक उसकी दुकान पर काम करता था। सुहेल ने अभिषेक और बाल अपचारी को मोबाइल व नकदी देने का लालच देकर वारदात में शामिल किया था। बाल अपचारी हाईस्कूल की परीक्षा दे रहा है। कस्बा निवासी टेंट कारोबारी शरीफ के बेटे शाहिद की सोमवार रात हत्या कर दी गई थी। मंगलवार सुबह वारदात की जानकारी होने पर शरीफ ने ने अपने बड़े भाई गुलाम मोहम्मद, शाहिद के दोस्त कफील के अलावा सुहेल और इरफान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जांच के दौरान मृतक की आखिरी कॉल डिटेल खंगाली गई तो नंबर सुहेल का निकला। सुहेल और मृतक का मोबाइल टॉवर एक ही स्थान पर सक्रिय मिला और रात करीब नौ बजे तक दोनों की लोकेशन आसपास रही। घटनास्थल के पास दो अन्य मोबाइल भी सक्रिय मिले। सुहेल, अभिषेक और बाल अपचारी की कॉल डिटेल मिलाने पर आपसी बातचीत की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने सुहेल की तलाश शुरू की। बुधवार सुबह बाइक से भागने की कोशिश के दौरान तीनों को कस्बे से पकड़ लिया गया। जांच में गुलाम मोहम्मद, इरफान और कफील की संलिप्तता नहीं मिली। पूछताछ के बाद तीनों को छोड़ दिया गया। चर्चा है कि रंजिश के चलते भाई पर बेटे की हत्या का शक जताया था।

केजीएमयू में मजार को लेकर टकराव की नौबत

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू प्रशासन फिलहाल परिसर के मजारों को नहीं हटाएगा। संस्थान प्रशासन के अनुसार, रमजान के महीने में इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। अब रमजान के बाद ही इस मामले को देखा जाएगा। केजीएमयू प्रवक्ता प्रो. केके सिंह के अनुसार, मजारों को हटाने के लिए 28 फरवरी तक का समय दिया गया था। अवधि पूरी होने के बावजूद पूरे रमजान केजीएमयू प्रशासन इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं करेगा। बीते 23 जनवरी को केजीएमयू प्रशासन ने परिसर स्थित पांच मजारों पर नोटिस लगाकर 15 दिन में हटाने के लिए कहा था। पहले नोटिस के बाद नौ फरवरी को दूसरा लगाकर 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया। इस पर ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन ने केजीएमयू की कुलपति और प्रवक्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए चौक कोतवाली में तहरीर दी थी। इसके बाद यह मामला और बढ़ गया। ऑल इंडिया मोहम्मदी मिशन के महासचिव सैयद बाबर अशरफ ने इस मामले को धार्मिक ठेस पहुंचाने वाला बताया था। इसी सप्ताह केजीएमयू प्रशासन की ओर से जारी नोटिस की अवधि समाप्त हो रही है। ऐसे में माना जा रहा था कि मामले में टकराव और बढ़ेगा। फिलहाल पूरे रमजान के लिए यह मामला थम गया है। क्वीन मेरी के मुख्य गेट, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, ट्रॉमा सेंटर परिसर, ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेशियलिटी भवन और टीजी हॉस्टल परिसर के मजार को हटाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। केजीएमयू प्रशासन के अनुसार, इनके निर्माण के लिए न तो अनुमति है, न ही कोई आदेश। इनसे परिसर में आवागमन बाधित होता है।

मेस के खाने से बिगड़ी दो छात्राओं की हालत

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के गंगा हॉस्टल की मेस का खाना खाकर दो छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। इसके विरोध में अन्य छात्राएं बुधवार रात धरने पर बैठ गईं। इन छात्राओं ने रात का भोजन भी नहीं किया। रात करीब दो बजे तक छात्राओं का धरना जारी रहा। छात्राओं के अनुसार, लॉ फैकल्टी में तृतीय वर्ष की छात्रा मेघना शाह ने दोपहर में मेस का खाना खाया था। कुछ ही देर में उन्हें उल्टियां शुरू हो गईं और फिर वह बेहोश हो गईं। मेघना का कहना है कि दाल में कीड़े जैस ानजर आया और उसका स्वाद

अजीब था। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया। शाम तक उनकी बिगड़ती हालत का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। देर रात एक और छात्रा की तबीयत बिगड़ गई।घ्उसे तत्काल डॉक्टर के पास ले जाया गया। बताया जा रहा है कि मेस का खाना खाने के बाद कई छात्राओं ने पेट दर्द, उल्टी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें की हैं। छात्राओं ने यह आरोप भी लगाया कि धरने पर बैठने के दौरान हॉस्टल की प्रोवोस्ट नीतम सिंह ने उन्हें धमकाया। छात्राओं का कहना है कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेने के बजाय दबाव बनाया जा रहा है। इससे पहले छात्राओं का आरोप था कि वार्डन जाह्नवी और हॉस्टल की प्रोवोस्ट नीतम सिंह को छात्रा के बेहोश होने की सूचना दी, पर सुनवाई नहीं हुई। समय पर डॉक्टर उपलब्ध न होने का भी आरोप लगाया गया। छात्राओं का कहना है कि मेस की गुणवत्ता को लेकर पहले भी शिकायतें कीं, पर सुधार नहीं हुआ। अच्छी गुणवत्ता वाला भोजन और आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने की मांग की है। छात्रा की तबीयत खराब होने की जानकारी मिलते ही डॉक्टर से जांच कराई गई। छात्रा बिल्कुल स्वस्थ है। मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। सिर्फ एक छात्रा बीमार पड़ी है। हो सकता है कि उसने बाहर का कुछ खाना खाया हो। डॉक्टर ने जांच की है। छात्रा अब स्वस्थ है। मेस के भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए औचक जांच के लिए टीम बना रहे हैं।

बाप की हत्या के बाद, पनीर और मिठाई लाया था अक्षत, चाची ने बनाया था खाना

लखनऊ, (संवाददाता)। पिता की हत्या करने के बाद आरोपी बेटे अक्षत के चेहरे पर पछतावे की शिकन तक नहीं थी। कत्ल के बाद उसने घर में ऐसा सामान्य माहौल बनाया कि किसी को भनक तक न लगे। जिस पिता ने बच्चों की खातिर दूसरी शादी नहीं की, उनके खून से हाथ रंगने के बाद

अक्षत बाजार से पनीर और मिठाई खरीद कर लाया। मानवेंद्र के भाई अरविंद की पत्नी ही पूरे परिवार के लिए भोजन बनाती थीं। हत्या के बाद अक्षत ने चाची को पनीर लाकर दिया। चाची ने खाना तैयार किया और फिर घर के अन्य सदस्यों के साथ बैठकर अक्षत ने सामान्य तरीके से भोजन किया। उसने मिठाई भी खिलाई ताकि किसी को शक न हो कि घर के भीतर कोई खौफनाक वारदात हुई है। वारदात के समय आरोपी की बहन कक्षा 11 की छात्रा कृति पिता और भाई के साथ कमरे में ही थी। पिता की मौत के बाद अक्षत ने कृति को खौफ की ऐसी जंजीरों में जकड़ा कि वह पत्थर बन गई। अक्षत ने उसे धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो वह उसे भी मार देगा। खौफ का आलम यह था कि 20 फरवरी को कृति स्कूल परीक्षा देने भी गई। उसने परीक्षा दी, लेकिन न तो शिक्षकों और न ही सहेलियों से कुछ साझा किया।

आरपीएफ इंस्पेक्टर हरीश शाही के नेतृत्व में लगातार चलाए जा रहा है चेकिंग अभियान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या।भारतीय रेलवे की सुरक्षा एवं रेलयात्रियों की यात्रा को सुगम, सुरक्षित व सुविधाजनक बनाने के लिए वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल लखनऊ, देवांश शुक्ला, सहायक सुरक्षा आयुक्तध्रेलवे सुरक्षा बल वाराणसी बीपी सिंह के दिशादृनिर्देशन में व प्रभारी निरीक्षकध्रेलवे सुरक्षा बल, अयोध्या कैंट हरीश कुमार शाही, के नेतृव में रेलवे सुरक्षा बल, अयोध्या कैंट द्वारा वर्ष 2025 में व वर्तमान वर्ष में भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।उन्होंने अनाधिकृतध्अवांछनीय व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार विधिक कार्यवाही किया।बताया कि वर्ष दृ 2025 में त्व्ध्धअयोध्या कैंट द्वारा महिला कोचों व महिला प्रतीक्षालयो में अनाधिकृत रूप से बैठे कुल दृ 64 व्यक्तियों के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर उनका चालान किया तथा वर्ष दृ 2026 में अब तक कुल –50 व्यक्तियों के विरूद्ध मामला पंजीकृत कर कार्यवाही अमल में लाई गई है।बताया कि वर्ष दृ 2025 में त्व्ध्ध अयोध्या कैंट द्वारा अनाधिकृत रूप से ट्रेनों में घुसकर खाद्य सामग्री अथवा अन्य सामान बेचने वाले कुल दृ 139 व्यक्तियों के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर उनका चालान किया गया है तथा वर्ष दृ 2026 में अब तक कुल – 14 अवैध वेंडरों के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई है स वर्ष दृ 2025 में त्व्ध्धअयोध्या कैंट द्वारा अनाधिकृत रूप से रेल परिसर में ऑटो रिक्शा, दो पहिया, चार पहिया वाहन पार्क कर रेल यात्रियों के आवागमन में बाधा पहुंचाने वाले कुलदृ 245 चालकों के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर उनका चालान किया गया है तथा वर्ष दृ 2026 में अब तक कुल – 20 मामले पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई है।वर्ष दृ 2025 में त्व्ध्धअयोध्या कैंट द्वारा अनाधिकृत रूप से दिव्यांगजन कोचों में बैठे कुल दृ 36 व्यक्तियों के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर उनका चालान किया गया है तथा वर्ष दृ 2026 में अब तक कुल 11 मामले पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही अमल में लाई गई है।इसी

प्रकार वर्ष दृ2025 में त्व्ध्धअयोध्या कैंट द्वारा अनाधिकृत रूप से अलार्म चेन पुलिंग जंजीर खींचकर रेल परिचालन में बाधा पहुंचाने वाले कुलदृ95 व्यक्तियों के विरूद्ध मामला पंजीकृत कर उनका चालान किया गया है तथा वर्ष – 2026 में अब तक कुलदृ23 व्यक्तियों के विरूद्ध विधिक कार्यवाही अमल में लाई गई है।उपरोक्त के अतिरिक्त आरपीएफध्अयोध्या कैंट द्वारा, स्टेशन व गाड़ियों में गंदगी फैलाने वाले, धूम्रपान करने वाले व रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा चोरी आदि करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी लगातार कार्यवाही कर रेलवे अधिनियम व त्च(न्च) अधिनियम की विभिन्न धाराओं में कार्यवाही कर साथ ही रेलवे सुरक्षा बल, अयोध्या कैंट के क्षेत्राधिकार में स्थित विभिन्न रेलवे स्टेशनों व सेक्शन में पत्थरबाजी, जहरखुरानी, यात्री सामानों की सुरक्षा, ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन इत्यादि के सम्बन्ध में वर्ष भर लगातार जागरूकता अभियान चलाते हुए रेलवे यात्रियों की यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने का कार्य किया गया है जो की लगातार जारी है स होली पर्व को देखते हुए उन्होंने रेल यात्रियों से अपील किया है कि वे सभी अपनी सुरक्षित व सुगम यात्रा के लिए रेल के नियमों का पालन करें और किसी भी असामान्य गतिविधि। व्यक्ति वस्तु के नजर आने पर इसकी सूचना तत्काल रेलवे हेल्प लाईनदृ139 रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेलवे पुलिस व को दें।

कचहरी में अधिवक्ता होने के लिए जमकर होली

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

फैजाबाद।शुक्रवार को अयोध्या कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने जमकर खेली होली। इस मौके पर अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र एवं संयुक्त मंत्री मनोज कुमार सिंह एवं अधिवक्ता

परिषद के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सभी अधिवक्ता भाई बहनों को होली की मंगलमय शुभकामनाएं एवं बधाई दी।होली के रंग में हर अधिवक्ता रंग हुआ था।एक दूसरे को जमकर अमीर एवं गुलाल लगाया ,बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह दिनेश सिंह, विपिन कुमार मिश्रा, राजीव शुक्ला, धनुष श्रीवास्तव, जितेंद्र श्रीवास्तव, आनंद श्रीवास्तव ,आलोक खरे, सोमनाथ तिवारी एवं कार्यालय प्रभारी रामप्रसाद यादव ने जमकर होली खेली।

संक्षिप्त खबरें

पीयू ने शुरू की शिक्षकों के अभिलेखों की जांच, सभी दस्तावेज समर्थ पोर्टल पर करे अपलोड,फर्जी दस्तावेज पाए जाने पर होगी कार्यवाही

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने जौनपुर और गाजीपुर जनपदों के संबद्ध महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के शैक्षणिक अभिलेखों के व्यापक सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जांच यूजी, पीजी, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित बीएड, एमएड, बीबीए, बीसीए और एमसीए जैसे सभी संकायों के शिक्षकों पर लागू होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन को मिली शिकायतों के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि कुछ शिक्षकों ने नियुक्ति के समय भ्रामक, अपूर्ण या संदिग्ध दस्तावेज प्रस्तुत किए। कुछ मामलों में एक ही शिक्षक के एक से अधिक महाविद्यालयों में अनुमोदन, संदिग्ध अनुभव प्रमाण पत्र तथा नेटध्पीएचडी उपाधि के सत्यापन में अनियमितता की बात भी सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए विश्वविद्यालय ने दस्तावेजों का डिजिटल और भौतिक दोनों स्तरों पर मिलान कराने का फैसला किया है। वही इस मामले में गुरुवार को हिंदुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए कुलसचिव केशलाल ने बताया कि

सत्यापन प्रक्रिया के तहत स्नातक एवं परास्नातक अंकपत्र, डिग्री प्रमाण पत्र, नेटध्सेट योग्यता प्रमाण पत्र, पीएचडी उपाधि, शोध पंजीकरण अभिलेख, अनुभव प्रमाण पत्र तथा सेवा पुस्तिका की गहन जांच की जाएगी।साथ ही अनुमोदित विषय और विशेषज्ञता क्षेत्र का भी सत्यापन होगा। सभी शिक्षकों को अपने योग्यता के प्रमाण पत्र समर्थ पोर्टल पर अपलोड करना जरूरी है जांच के दौरान संबंधित विश्वविद्यालयों, आयोगों और अधिकृत डिजिटल डेटाबेस से क्रॉस–वेरिफिकेशन कराया जाएगा। यदि किसी शिक्षक द्वारा फर्जी या कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत करने की पुष्टि होती है, तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, नियुक्ति प्रक्रिया में महाविद्यालय प्रशासन की भूमिका की भी जांच होगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता तो नहीं हुई। नियुक्तियों में पारदर्शिता और मानकों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

कचहरी में अधिवक्ता होने के लिए जमकर होली

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

फैजाबाद। शुक्रवार को अयोध्या कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने जमकर खेली होली। इस मौके पर अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र एवं संयुक्त मंत्री मनोज कुमार सिंह एवं

अधिवक्ता परिषद के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सभी अधिवक्ता भाई बहनों को होली की मंगलमय शुभकामनाएं एवं बधाई दी।होली के रंग में हर अधिवक्ता रंग हुआ था।एक दूसरे को जमकर अमीर एवं गुलाल लगाया ,बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह दिनेश सिंह, विपिन कुमार मिश्रा, राजीव शुक्ला, धनुष श्रीवास्तव, जितेंद्र श्रीवास्तव, आनंद श्रीवास्तव ,आलोक खरे, सोमनाथ तिवारी एवं कार्यालय प्रभारी रामप्रसाद यादव ने जमकर होली खेली।

होली व अन्य पर्व को लेकर सीओ सदर अरविन्द सोनकर ने गोसाईगंज क्षेत्र में किया भ्रमण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।आगामी होली पर्व व रमजान को सकुशल संपन्न करने के लिए एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की देख रेख में शुक्रवार को सीओ सदर अरविंद सोनकर ने गोशाईगंज थानाध्यक्ष व सुरक्षा कर्मियों के साथ जुलूस निकालने वाले स्थलों का भी निरीक्षण किया।इस मौके पर उन्होंने इसके अलावा गोसाईगंज बाजार में जाकर प्रमुख गलियों व होलिका स्थलों का भी निरीक्षण किया।उन्होंने वहां के स्थानीय लोगों से अपील किया कि यह पर्व आपसी भाईचारे का है। इसे हम सभी को खुशी–खुशी आपसी भेदभाव को भुलाकर मानना चाहिए। उन्होंने वही बाजार में अतिक्रमण किए हुए लोगों को समझाते हुए भी कहा कि आप सभी अपने–अपने प्रतिष्ठानों के सामने अतिक्रमण न करें।क्योंकि इससे आपको तो परेशानी होती ही है साथ ही साथ आने जाने वाले वहां चल को सहित अन्य राहगीरों को होती है।उन्होंने इस पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए गोसाईगंज थाना क्षेत्र के कई ग्रामीण इलाकों में भी जाकर शुक्रवार को भ्रमण किया।वहां के स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर इस पर्व को शांतिपूर्वक मनाने के लिए अपील भी किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रंजनी शुक्ला ने किया राजकीय संप्रेषण गृह (किशोर) का निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अयोध्या रणंजय कुमार वर्मा के निर्देशन में सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,रंजिनी शुक्ला द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह(किशोर), अयोध्या का निरीक्षण किया गया।इस मौके पर राजकीय सम्प्रेक्षण गृह(किशोर), अयोध्या में निरूद्ध किशोर अपचारियों से उनके स्वास्थ्य के एवं भोजन के बारे में जानकारी ली गयी।अपचारियों द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य की जांच के लिए समय–समय पर चिकित्सक आते रहते है एवं भोजन मेन्यू के अनुसार दिया जाता है।राजकीय सम्प्रेक्षण गृह(किशोर), अयोध्या में अध्यापकों की भी व्यवस्था की गयी है जो वहां उपस्थित किशोर अपचारियों को शिक्षा देते हैं।सहायक अधीक्षक राजकीय सम्प्रेक्षण गृह(किशोर), अयोध्या को समुचित साफ सफाई हेतु निर्देशित किया गया।सचिव रंजिनी शुक्ला द्वारा किशोर अपचारियों को निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी गयी और बताया गया कि यदि किसी किशोर अपचारी को विधिक सहायता की आवश्यकता है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अयोध्या के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अयोध्या द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह(किशोर), अयोध्या में संधारित होने वाले कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका की भी जांच की गयी।इसी अनुक्रम में सचिव,रंजिनी शुक्ला द्वारा जनपद कारागार, अयोध्या का भी निरीक्षण किया गया।इस दौरान निरीक्षण सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जेल में निरूद्ध सभी बन्दियों के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर जानकारी प्राप्त की गयी।निरीक्षण के जिला कारागार अयोध्या में साफ–सफाई अच्छी पायी गयी।निरीक्षण के समय बन्दियों द्वारा बताया गया कि प्रातः कालीन नाश्ते में दलिया, गुड, चाय, प्रातः कालीन भोजन में रोटी, उरद, राजमा की दाल, आलू चौराई, दालबड़ी की सब्जी, अपराह्न काल में मीठा बिस्कुट, चाय व सायं कालीन भोजन चावल, रोटी,अरहर की दाल, लौकी आलू की सब्जी दिया गया। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि भोजन मेन्यू के अनुसार दिया जाता है। दौरान निरीक्षण सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अयोध्या द्वारा अधीक्षक जिला करागार अयोध्या को निर्देशित किया गया कि बन्दियों के बौद्धिक विकास हेतु उनको मोटिवेट किया जाय। जिससे सभी बन्दी मानसिक तौर पर विकसित होकर देश विकास के मुख्य धारा में अपना योगदान प्रदान करें। सचिव द्वारा पूछने पर बताया गया कि अध्ययनरत बंदियों के लिए सरकारी अध्यापकों की व्यवस्था की गयी है जो अध्ययनरत बंदियों को आकर विषयानुसार शिक्षा देते हैं।जो बंदी निरक्षर है उन्हें साक्षर किये जाने का प्रयास किया जा रहा है।जेल प्रशासन द्वारा उठाया गया यह एक सार्थक कदम है।

सिटी व अयोध्या सर्किल क्षेत्र में कुल 728 जगह पर होगा होलिका दहन - एसपी सिटी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या। सिटी सर्किल तथा अयोध्या सर्किल के पांच थाना क्षेत्र में कुल 728 जगह पर होलिका दहन किया जाएगा।जहां पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी रहेंगे।इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि होली के दौरान किसी भी तरह की कहना उत्पन्न हो इसके लिए भी वर्दी तथा शादी वर्दी में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहेगी। उन्होंने बताया कि इस बार कोतवाली नगर क्षेत्र में कल 206 स्थलों पर होलिका दहन होगी। बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्र में कुल 19 ऐसे हॉल का स्थल को चयनित किया गया है जो संवेदनशील की श्रेणी में आ रहे हैं।जिसमे चौक, पुरानी सब्जी मंडी, कसाबबाडा,राठ हवेली, जमुनिया बाग, मुगलपुरा, कोठा पार्चा, सुभाष नगर, वजीरगंज, कश्मीरी मोहल्ला, पठान टोलिया,बेनीगंज, बछड़ा सुल्तानपुर, रामनगर घोसियाना, घोसियाना हवाई पट्टी, छोटा रमना,पॉपुलर गली, नौघडा, हैदरगंज क्रॉसिंग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह थाना कैंट क्षेत्र में 97 जगह पर हॉल का दहन किया जाएगा।इस थाना क्षेत्र मे हसनू कटरा, नियावा, मिर्जापुर, ताजपुर, कोरडा, गुप्तारघाट,बनवीरपुर तथा रेतिया,होलिका का स्थलों को संवेदनशील मे चिन्हित किया गया है।होली को सकुशल संपन्न करने के लिए कोतवाली नगर क्षेत्र में 1 जोन व कैंट थाना क्षेत्र में 1 जोन तथा कोतवाली नगर क्षेत्र में 4 सेक्टर व थाना कैंट में 5 सेक्टर मे विभाजित किया गया है।जबकि होली के दिन कोतवाली नगर क्षेत्र में चार क्यूआरटी व कैंट थाना क्षेत्र में दो क्यूआरटी की टीम भ्रमण सील रहेंगी।जो किसी भी अपने घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर शांति कायम बनाए रखेगी।उन्होंने

बताया कि 3 मार्च को चौक में भी होली चौक घंटा घर पर संपन्न होगी सुरक्षा की दृष्टि पर वहां पर भी पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।इसी तरह अयोध्या सर्किल क्षेत्र के थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र में 39, कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में 143 तथा पूरा कलंदर थाना क्षेत्र में 243 स्थलों पर होलिका दहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि होली को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए सभी सर्कल के सीईओ और थाना क्षेत्र के थाना अध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि वह होलिका दहन से पूर्व पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी को तैनात करें और होली के दिन भ्रमणशील रहे।

संक्षिप्त खबरें

होली को देखते हुए आबकारी विभाग लगातार चला रही चेकिंग अभियान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या। होली पर्व को देखते हुए आबकारी विभाग ने अवैध रूप से शराब कारोबारी पर शिकंजा कसने में जुटी हुई है।शुक्रवार को डीएम निखिल टीकाराम फुंडे व उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी सुरेश चंद्र मिश्र व एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के नेतृत्व मे आबकारी विभाग द्वारा छापा मारा जा रहा है।शुक्रवार को आबकारी निरीक्षक सदर अरविंद शुक्ला ने बताया की होली पर्व को देखते हुए आज शुक्रवार को कम्पोजिट शॉप –महबूबगंज ,वंदनपुर देसी शराब की दुकान – महबूबगंज , वंदनपुर का औचक चेकिंग की गयी!

उक्त दुकाने नियमानुसार संचालित होते हुए पायी गयी!।अनुज्ञापियों एवं विक्रेताओं को दुकान के अंदर एवं बाहर किसी को भी शराब ना पिलाने के लिए कड़ाई से निर्देशित किया गया! साथ ही अयोध्या से अम्बेडकर नगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों एवं संदिग्ध ढाबो की चेकिंग की गयी! बताते चले इससे पहले गुरुवार को आबकारी विभाग द्वारा थाना कैंट अंतर्गत जमथरा, रेतिया, निर्मलीकुंड में मुखबिर खास की सूचना पर दबिश देकर कुल 25 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। कुल 2 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया। उक्त प्रवर्तन कार्यवाही में आबकारी निरीक्षक सदर अयोध्या श्री अरविंद शुक्ला,आबकारी निरीक्षक मिल्कीपुर श्री विवेक पाठक , राजेंद्र प्रताप सिंह , घनश्याम गौड़, रामराज, प्रेमलता, राजेश कुमार,शमशेर आदि प्रधानध्आबकारी सिपाहीगण सम्मिलित रहे।

काली पट्टी बांधकर शिक्षकों ने जताया विरोध

भदोही, (संवाददाता)। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के जस्टिस फॉर टीचर्स अभियान के लिए बुधवार को तीसरे दिन शिक्षकों ने विरोध जताया। बांह पर काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया। कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, वे आंदोलन जारी रखेंगे। बृहस्पतिवार को शिक्षक बीएसए कार्यालय पर धरना देंगे। उसके बाद पदयात्रा निकालकर कलेक्ट्रेट तक जाएंगे। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश कुमार ने बताया कि टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर बुधवार को भी विद्यालयों में शिक्षकों ने विरोध जताया। बांह पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किए जाने के पहले से नियुक्त समस्त शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता को वापस लेना पड़ेगा। दो से तीन दशक पहले से विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक अब 55 से 58 साल के हो चुके हैं। ऐसे में टेट को थोपना जायज नहीं है। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को बीएसए कार्यालय पर शिक्षक धरना देंगे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला संयोजक धीरेंद्र यादव, सह संयोजक अरुण पांडेय और महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष प्रीति मौर्य ने कहा कि बिना संघर्ष के कुछ भी हासिल नहीं होता है।

शहरी जलधाराओं की सुरक्षा के लिये शुरू की गयी ट्रैश शील्ड प्लान योजना

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्लास्टिक प्रदूषण की बढ़ती चुनौती का समाधान करने और शहरी जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज (एचडीबीएफएस) ने सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन (सीईई) के साथ साझेदारी में लखनऊ में 'ट्रैश शील्ड प्लान' शुरू किया है। इस योजना का उद्देश्य स्मार्ट कचरा अवरोधकों (ट्रैश बैरियर्स) की स्थापना के साथ–साथ सामुदायिक स्तर पर अन्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पहलों को लागू करना है। यह पहल लखनऊ की चयनित शहरी नहरों के हिस्सों में तैरते हुए कचरे के प्रबंधन पर केंद्रित है, जिनमें पकरिया घाट और हनुमान सेतु के आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इन स्थानों पर भौगोलिक स्थिति और उपयोग के पैटर्न के कारण विभिन्न प्रकार का कचरा प्रवाह होता है। रणनीतिक स्थानों पर स्मार्ट ट्रैश बैरियर्स की स्थापना के माध्यम से, यह परियोजना तैरते हुए मलबे को नीचे की ओर बड़े जलस्रोतों में जाने से रोकने का प्रयास करती है। स्थानीय रूप से डिजाइन और निर्मित ये ट्रैश बैरियर्स किफायती और मॉड्यूलर प्रकृति के हैं, जिससे इन्हें विभिन्न चौड़ाई और जल प्रवाह दर वाली जलधाराओं में आसानी से स्थापित किया जा सकता है। एकत्रित कचरे को साफ कर नगर निकायों को सौंप दिया जाता है, ताकि उसका पर्यावरण–अनुकूल तरीके से निपटान किया जा सके या उसे मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटीज में भेजा जा सके, जहां आगे पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) की प्रक्रिया की जाती है। इस प्रकार व्यवस्थित निपटान यह सुनिश्चित करता है कि अपशिष्ट प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र में प्रवेश न करे और साथ ही नगर निकायों की मौजूदा अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को भी सुदृढ़ करता है। यह पहल निर्धारित स्थानों पर प्लास्टिक कचरे को अनुमानित रूप से 50 प्रतिशत तक कम करती है और महत्वपूर्ण नदियों एवं समुद्री पर्यावरण में प्लास्टिक मलबे के प्रवेश को रोकती है। इसके माध्यम से हर वर्ष लगभग 80दृ100 टन प्लास्टिक और अन्य मलबे का संग्रहण संभव हो पाता है, जिससे जलीय आवासों के पुनर्स्थापन में मदद मिलती है और जल गुणवत्ता संकेतकों में लगभग 30 प्रतिशत तक सुधार होता है। इसके अतिरिक्त, कचरे के जमाव से होने वाले नालों के अवरोध को समाप्त कर बाढ़ के जोखिम को कम किया जाता है और शहरी जल प्रणालियों को अधिक स्वस्थ बनाने में योगदान मिलता है। इस परियोजना में एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के सहयोग पर टिप्पणी करते हुए, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ पीपल एंड ऑपरेशंस, आशीष घाटनेकर ने कहा,"एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में हमारे लिए स्थिरता केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे तंत्र विकसित करने के बारे में है जो समुदायों को साझा संसाधनों के संरक्षण में भागीदारी करने में सक्षम बनाते हैं। लखनऊ में ट्रैश शील्ड पहल का समर्थन करके, हम स्वच्छ जलधाराओं में योगदान देने के साथ–साथ सामुदायिक स्तर पर जिम्मेदार अपशिष्ट प्रथाओं को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। सीईई के साथ सहयोग हमें अवसंरचना समाधान को जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन के साथ जोड़ने का अवसर देता है, जिससे शहरी पारिस्थितिक तंत्र पर दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित होता है।" इस पहल पर बोलते हुए, सीईई की सीनियर प्रोग्राम डायरेक्टर, सुश्री प्रीति आर. कनोजिया ने कहा, "नहरें और शहरी जल निकासी तंत्र अक्सर नदी प्रणालियों में प्रवेश करने वाले प्लास्टिक कचरे के प्रारंभिक मार्ग होते हैं। लखनऊ में एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ यह साझेदारी एक व्यावहारिक और विस्तार योग्य मॉडल प्रस्तुत करती है, जो अवसंरचना समाधान को सामुदायिक सहभागिता और व्यवहार परिवर्तन के साथ एकीकृत कर स्रोत स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने का प्रयास करती है।" ट्रैश शील्ड पहल को भारत के विभिन्न स्थानों पर लागू किया जा चुका है, जहां तमिलनाडु, अहमदाबाद, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में नहर एवं जलस्रोत पुनर्स्थापन परियोजनाएं पहले ही संचालित की जा चुकी हैं।

महिला एसओ आशा शुक्ला ने महिलाओं को जागरूक करने के साथ चलाया वाहन चेकिंग अभियान

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने शुक्रवार को रिकाबगंज चौराहे से चौक तक महिला पुलिसकर्मियों के साथ जहां एक और महिलाओं को जागरूक किया। इस मौके पर उन्होंने यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही किया।इस मौके पर उन्होंने कई वाहनों का चालान किया।बताते चले इस मौके पर उन्होंने केंद्र व सरकार महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए एक से बढ़कर एक मिशन शक्ति अभियान फेज फाइव के तहत योजनाएं चल रही हैं।इस सभी योजनाओं का लाभ आप सभी को बढ़–चढ़कर लेना चाहिए।वही आप सभी महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी रखनी चाहिए।जिससे कभी भी संकट के समय आप अपनी सुरक्षा कर सकती हैं। यह बातें बुधवार को मिशन शक्ति पेज 5 अभियान के तहत जीजीआईसी व अन्य जगहों पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक श्वेता राठौड़ ने बालिकाओं से कहीं।उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए जहां एक तरफ उनके विकास को लेकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ महिला सशक्तिकरण सुकन्या समृद्धि योजना सहित एक से बढ़कर एक कई महत्वपूर्ण योजनाएं चल रही हैं। वहीं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी केंद्र व राज्य सरकार कई योजनाएं चल रही हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद बालिकाओं को पंपलेट व बैनर पोस्ट के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार की कोई भी अप्रिय घटना का अंदेशा हो तो बिना झिझक अपने नजदीकी पुलिस कर्मियों, महिला थाना तथा अपने परिजनों को फोन पर बताये।इस मौके पर उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया। बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। इस मौके पर उनके अलावा महिला उप निरीक्षक प्रिया महिला उप निरीक्षक सोनी सहित अन्य महिला सुरक्षाकर्मी मौजूद रही ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।